

कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई में ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा "स्मॉर्ट इंडिया हैकाथॉन" का आयोजन

कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई में "स्मॉर्ट इंडिया हैकाथॉन" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला ए.आई.सी.टी.ई., MHRD'S इनोवेशन सेल (भारत सरकार) तथा कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई के तत्वाधान में आयोजित की गई। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग छात्रों को उन समस्याओं का, जिन्हें हम अपने दैनिक जीवन में अनुभव करते हैं, उन्नत तरीकों से समाधान ज्ञात करने हेतु प्रेरित करना है। साथ ही साथ रिसर्च एंड डेवलपमेंट के माध्यम से इंजीनियरिंग छात्रों में नया कल्चर विकसित कर, उनको विभिन्न समस्याओं का समाधान करने हेतु सक्षम बनाना भी इसका उद्देश्य है।

"स्मॉर्ट इंडिया हैकाथॉन" का प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न संस्थाओं के इंजीनियरिंग छात्रों में रचनात्मक सोच को विकसित करना तथा उनकी क्षमता को निखारना है ताकि वे लीक से अलग हटकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में उन्नत तरीकों से समाधान सोचकर अपना योगदान दे सकें। इस प्रकार निश्चित रूप से स्मॉर्ट इंडिया हैकाथॉन ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ओपन इनोवेशन इनिशिएटिव स्थापित करने में मदद की है।

कार्यशाला का प्रारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन वक्तव्य कृष्णा एजुकेशन सोसाइटी के चेयरमेन श्री एम. एम. त्रिपाठी के द्वारा दिया गया। उन्होंने अम्बानी, गोदरज, आइन्सटीन तथा गॉर्गी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे शून्य से शुरुआत करते हुए उच्च सफलता प्राप्त की जा सकती है। तदोपरांत संस्था के प्राचार्य डॉ. पी. के. घोष ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं इसे नवीन राष्ट्र निर्माण तथा विद्यार्थियों हेतु अत्यंत लाभप्रद बताया।

तत्पश्चात् कार्यशाला के प्रमुख वक्ता श्री दिपन कुमार साहू जो की ए.आई.सी.टी.ई., नई दिल्ली के स्टार्ट-अप पॉलिसी इम्प्लीमेंटेशन यूनिट के एक्सीक्यूटिव कन्सल्टेंट हैं, ने अपने व्याख्यान में स्मॉर्ट इंडिया हैकाथॉन एवं इनोवेशन के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किसी भी समस्या का इनोवेटिव समाधान करने के लिए दिन प्रतिदिन प्रयत्नशील रहना चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि भारत सरकार यह प्रयास कर रही है कि इन्डस्ट्रीयल प्रॉबलम्स लेकर इंजीनियरिंग छात्रों से उनका इनोवेटिव समाधान करवाया जाए। उन्होंने इन्स्टीट्यूट इनोवेशन सेल के बारे में बताया कि प्रत्येक इन्स्टीट्यूट में इनोवेशन सेल का गठन किया जाए और उनके द्वारा किसी समस्या विशेष का इनोवेटिव रूप से समाधान किया जाए, साथ ही उसे इम्प्लीमेंट किया जाए।

समापन समारोह संस्था के चेयरमेन श्री आनंद कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। चेयरमेन जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कॉलेज को शुभकामनाएँ दी तथा आए हुए प्रमुख वक्ता तथा प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया एवं कार्यक्रम की अत्यंत प्रशंसा करते हुए कहा कि इसका लाभ प्रतिभागियों को अवश्य ही मिलेगा। उपरोक्त कार्यक्रम में ए.आई.सी.टी.ई. के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों के छात्रों एवं प्राध्यापकों ने भिलाई, रायपुर, जगदलपुर, कोरबा, सूरजपुर, बिलासपुर से प्रतिभागिता दी।



